

M.Com. - II (New CBCS Pattern) Semester-IV  
**PCC4C03 - Entrepreneurial Development**

P. Pages : 3

Time : Three Hours



**GUG/S/25/13700**

Max. Marks : 80

- Notes : 1. All questions are compulsory.  
2. All questions carry equal marks.

1. Define Entrepreneurship. Explain the role and functions of Entrepreneur. **16**

**OR**

Which factor creates barriers for the growth of Entrepreneurship Explain. **16**

2. Explain the Various types of Entrepreneurship. **16**

**OR**

What are the sources of Business idea. Explain the role of creativity, innovation and business research. **16**

3. What is Small scale sector. Explain the importance of small scale sector in Indian Economy. **16**

**OR**

Give the concept and objective of Entrepreneurship Development. Explain the phases of entrepreneurial development programme. **16**

4. Explain the concept and issues in small Business marketing. Give the idea of competitive bidding and tender marketing. **16**

**OR**

Explain the Ancillarisation Entrepreneurship and Industry. Give the Ancillary opportunities in different economic sector. **16**

5. Write short answers.

- a) Differentiate between Entrepreneurship and Management. **4**
- b) Write a note on cash flow management. **4**
- c) NGO's in India. **4**
- d) Agro Industries. **4**

\*\*\*\*\*

M.Com. - II (New CBCS Pattern) Semester-IV  
**PCC4C03 - Entrepreneurial Development**

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.  
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. उद्योजकताची व्याख्या देवून उद्योजकाची भूमिका व कार्य स्पष्ट करा. 16

**किंवा**

उद्योजकताच्या विकासात अडथळे आणणारे घटक कोणते आहेत? स्पष्ट करा. 16

2. उद्योजकताचे विविध प्रकार स्पष्ट करा. 16

**किंवा**

व्यावसायिक कल्पनेचे स्रोत कोणते आहेत? कल्पकता शोध व व्यावसायिक संशोधनाची भूमिका स्पष्ट करा. 16

3. लघू उद्योग म्हणजे काय? भारतीय अर्थव्यवस्थेत लघू उद्योगांचे महत्व स्पष्ट करा. 16

**किंवा**

उद्योजकता विकासाची संकल्पना व उद्दिष्टे सांगा उद्योजकता विकास कार्यक्रमातील महत्वाचे टप्पे स्पष्ट करा. 16

4. लघू व्यावसायिक विपणनाची संकल्पना व मुद्दे स्पष्ट करा तसेच स्पर्धात्मक लिलाव व निविदा विपणन काय आहे ते सांगा. 16

**किंवा**

सहाय्यभूत उद्योजकता आणि उद्योग स्पष्ट करा. तसेच विविध आर्थिक क्षेत्रात सहाय्यभूत संधी सांगा. 16

5. थोडक्यात उत्तरे लिहा.
- अ) उद्योजकता व व्यवस्थापन यातील फरक. 4
- ब) रोखप्रवाह व्यवस्थापन. 4
- क) भारतातील गैरसरकारी संस्था (NGO) 4
- ड) कृषी उद्योग. 4

\*\*\*\*\*

M.Com. - II (New CBCS Pattern) Semester-IV  
**PCC4C03 - Entrepreneurial Development**

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचनाएँ :-
1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
  2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. उद्योजकता की व्याख्या देकर उद्योजक की भूमिका एवं कार्य स्पष्ट कीजिए। 16

**अथवा**

- उद्योजकता के विकास में बाधा निर्माण करनेवाले घटक कोणसे हैं, स्पष्ट कीजिए। 16

2. उद्योजकता के विविध प्रकार स्पष्ट कीजिए। 16

**अथवा**

- व्यावसायिक कल्पनाओंके स्रोत कोणसे हैं, कल्पकता शोध तथा व्यावसायिक संशोधन की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 16

3. लघु उद्योग याने क्या? भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु उद्योग का महत्व स्पष्ट कीजिए। 16

**अथवा**

- उद्योजकता विकास की संकल्पना तथा उद्देश्य बताइए। उद्योजकता विकास कार्यक्रम के महत्वपूर्ण अवस्था स्पष्ट कीजिए। 16

4. लघु व्यावसायिक विपणन की संकल्पना तथा मुद्दे स्पष्ट कीजिए। तथा स्पर्धात्मक लिलाव एवं निविदा विपणन क्या है बताइए। 16

**अथवा**

- सहाय्यभूत उद्योजकता एवं उद्योग स्पष्ट कीजिए तथा विविध आर्थिक क्षेत्र में सहाय्यभूत संधी बताइए। 16

5. संक्षेप में उत्तर दीजिए।
- |                                       |   |
|---------------------------------------|---|
| अ) उद्योजकता एवं व्यवस्थापन में अंतर। | 4 |
| ब) निधी प्रवाह व्यवस्थापन।            | 4 |
| क) भारत की गैरसरकारी संस्था।          | 4 |
| ड) कृषि उद्योग।                       | 4 |

\*\*\*\*\*

